

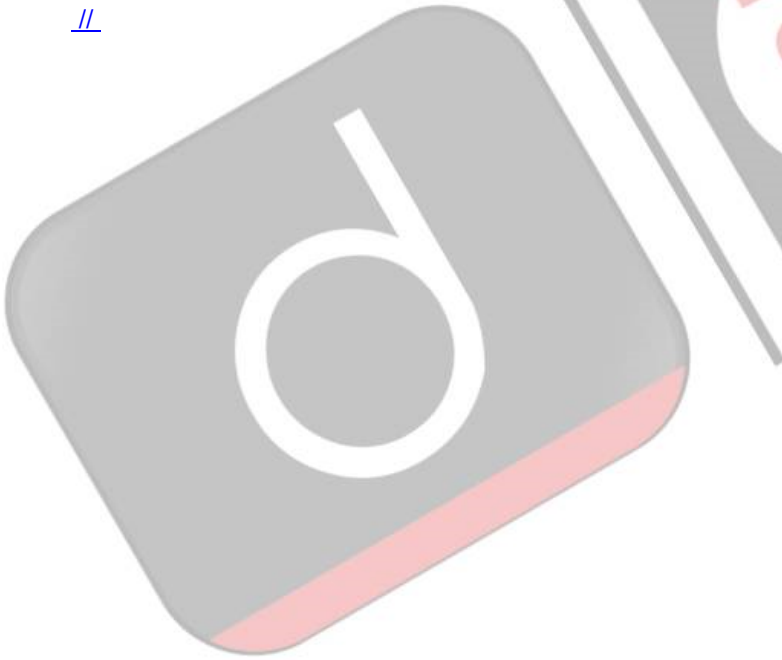
नवरोज़

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत के प्रधानमंत्री ने पारसी नववर्ष नवरोज़- जसिे वशिष रूप से महाराष्ट्र और गुजरात में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ दीं।

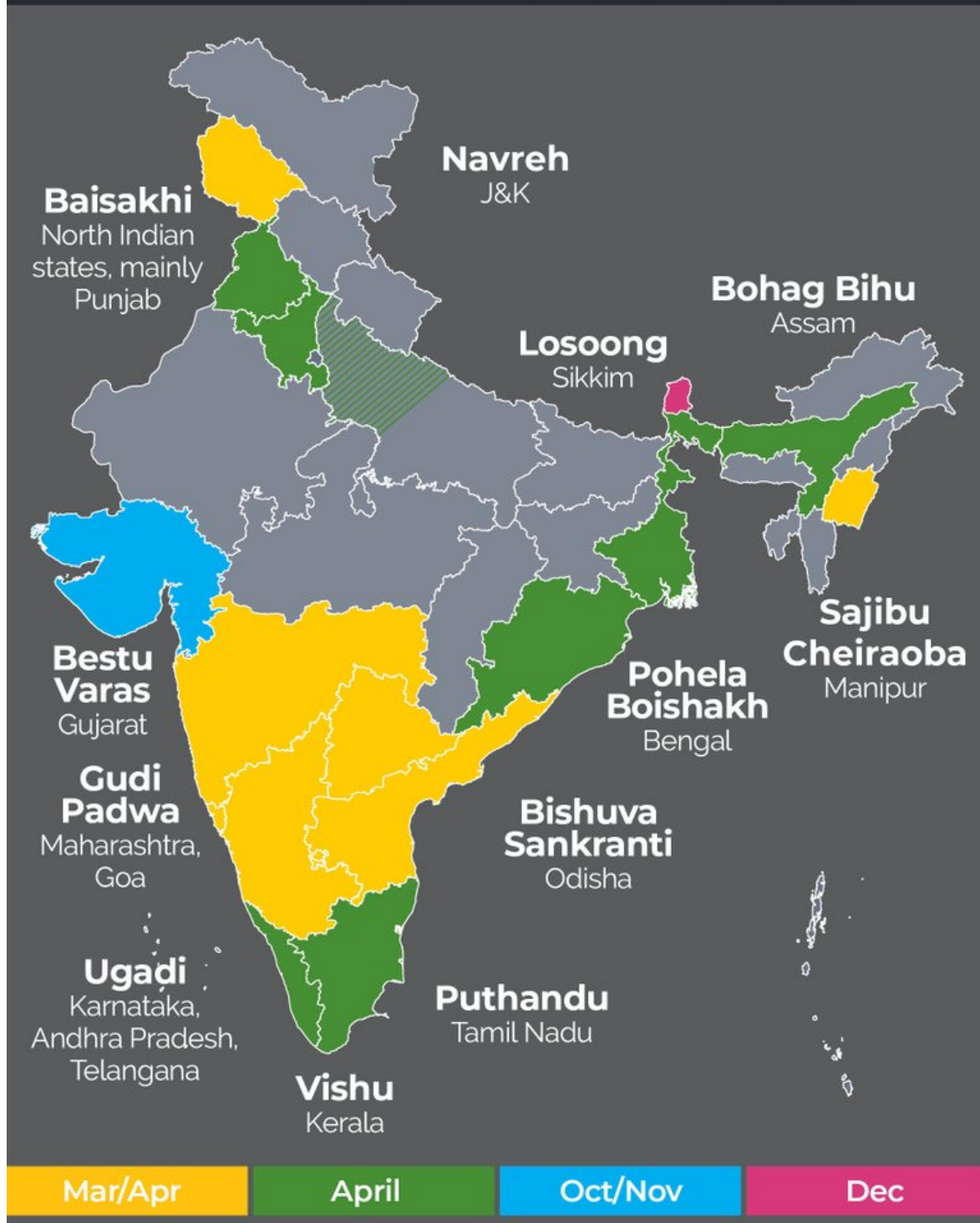
- इस वर्ष, नवरोज़ 16 अगस्त 2024 को मनाया गया। जबकि विश्व स्तर पर यह मार्च में मनाया जाता है, भारत में यह उत्सव शहंशाही (Shahenshahi) या फसली कैलेंडर के आधार पर जुलाई या अगस्त में मनाया जाता है, जसिमें लीप वर्ष नहीं होता है।
- नवरोज़ जसिका अर्थ है "नया दनि", पारसी धर्म में गहराई से नहिात है, जो प्राचीन फारस (आधुनिक ईरान) में पैगंबर ज़रथुस्त्र (Prophet Zarathustra) द्वारा स्थापित सबसे पुराने एकेश्वरवादी धर्मों में से एक है।
 - भारत में नवरोज़ को फारसी राजा जमशेद के नाम पर जमशेद-ए-नवरोज़ (Jamshed-i-Navroz) के नाम से भी जाना जाता है।
 - पारसी नववर्ष उत्सव की शुरुआत 3000 वर्ष पुरानी है और इसे भारत में 7वीं शताब्दी में गुजरात में प्रवास करने वाले ज़ोरास्टरियन (जन्हें पारसी भी कहा जाता है) लोगों द्वारा लाया गया था।
- यूनेस्को ने वर्ष 2009 में प्रारंभिक प्रवर्षिटि के बाद वर्ष 2016 में नवरोज़ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत की प्रतनिधि सूची में शामिल किया।

//



THE NEW YEAR MAP OF INDIA

New Year festivals in different regions of India



और पढ़ें: [पूरे भारत में नववर्ष के पारंपरिक त्योहार](#)

